‘ ‘ Ѐ ‘

# Ѐ

| |
|---|
| Ѐ ŭ Ʉ ŋ ṗ à ‰ à ˘ à Â |

**ṗ ‘**

Ʉ à Ʉ ŭ Ʉ à Ʉ à ¬ à ‰ à ˘ à ˘ ˅ Â

Ѐ ¬ à ƀ ¬ ŭ ¬ ¬ ‘ ¬ à ‰ à Â

Ǵ ☑

**à ¬**

**^ ~**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ɢ Ѐ ⌈ ^ ~ | | | | |
| ɢ Ѐ ⌈ ^ ~ | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| ^ ~ | | | | |
| ± ⌈ ºº | | | | |
| | | | ⋮ | |
| ºº ^ ~ | | | | |
| ɢ Ѐ ^ ~ | | | | |

Ѐ à à à ʾ à ۸ ف

☑ Ǵ

## ʜ ȁ

ˆ ˜ ˇ ═ ʊ̌ ˏ

ˎ

| | | | ˆ ˜ ═ | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | ˏ | | | |
| | | | | | ȁ | ˝ ˏ |
| | | ɒ | | | | |
| ˋE | ˌ ρ | | | | | |
| ˋE ˜ ˆ ˰ ˌ خ | ˌ ρ | | | | | |
| ˋE ˙ ˚ | ï | | | | | |
| ˋE ˰ ˌ خ | ˌ ρ | | | | | |
| ˋE ˙ ˚ ˩ | ï | | | | | |
| ˆ ˜ | ˌ ρ | | | | | |
| ˋE ˙ ˙ | ï | | | | | |
| | ˌ ρ | | | | | |
| | ˌ ρ | | | | | |
| | ˌ ρ | | | | | |
| | | | ˏ | | | |
| | | | | | | |
| ˋE | | | | ˌ | | |
| ˋE ˜ ˆ ˰ ˌ خ | | | | ˌ | | |
| ˋE ˙ ˚ | | | | ˌ | | |
| ˋE ˰ ˌ خ | | | | ˌ | | |
| ˋE ˙ ˚ ˩ | | | | ˌ | | |
| ˆ ˜ ˋE ˙ ˙ | | | | ˌ | | |

| | | |
|---|---|---|
| ‰ | | |
| | | |
| ɢ `E | | |
| | | |
| | | |
| ˇ | | |

ˉ ˊ ƀ ˉ ˊ ˉ ˊ

## ȁ

ˊ

| | | |
|---|---|---|
| ȁ ˜ | | |
| ȉ ˊ ˜ | | |
| ˜ | | |
| | | |
| ʊ̋ ƒ ˜ | | |
| ʜ ȁ | | |
| ȉ ˊ | | |
| | | |
| ʊ̋ ƒ | | |
| | | |
| ⌈ | | |
| ‰ ⌈ | | |
| | | |

| | | |
|---|---|---|
| ~ | | |
| ˚ ˆ ~ | | |
| ȁ ˆ Ъ ˙ ~ | | |
| ˗ ˊ ~ | | |
| ⁞ ˊ | | |
| ȁ ˆ Ъ ˙ ~ | | |
| ⁞ ˊ | | |
| ȷ ȁ⌈ ˆ ⌈ Ъ ˙ ~ | | |
| ˆ ~ | | |
| ⌈ ˆ ⌈ Ъ ˙ ~ | | |
| ⌈ ˆ ⌈ Ъ ˙ ~ | | |
| ˆ ѣ~ | | |
| ɢ Ѐ ⌈ ˆ ⌈ Ъ ~ | | |
| ˆ ⌈ Ъ ~ | | |
| Ѐ ȁ ȉ ⌈ | | |
| Ѐ ȉ ⌈ | | |
| ˆ ~ ȉ | | |
| ˝ | | |
| ȉ | | |
| ȉ ί Ѐ ˝ | | |
| Ѐ ˝ | | |
| ȉ | | |
| ˆ ѣ~ ȉ | | |
| ȉ | | |
| ȉ Ѐ ˝ | | |
| ˚ ~ ȉ | | |

| | | |
|---|---|---|
| ˬ | | |
| ˬ ˷˷ ⌈ | | |
| à ˬ ˷˷ ˊ | | |
| | | |
| ì ˊ `E | | |
| | | |
| ì ˬ ˜ | | |
| ˬ ˜ | | |
| ẽ ˩ | | |
| à ẽ | | |
| ì ˊ `E<br>à | | |
| ì ˬ ˜ | | |
| ˬ | | |
| ˬ ˷˷ ⌈ | | |
| à ˬ ŭ<br>ف | | |